

technology is concerned, hon. Chairman, I wish to assure him that we are working in coordination with the Home Ministry and we have been able to successfully foil many of their attempts by effective intervention at the right moment and many of the international servers also have been cooperating with us on that issue.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, we are in the age of WhatsApp, Viber, Twitter, Instagram and so on. Our beloved leader Rajiv Gandhi's telecom revolution has enabled us to think about this situation and now we are moving towards digital empowerment of the citizen.

MR. CHAIRMAN: Question please.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Yes, Sir. The hon. Minister has rightly recorded the gaps in enhancing net connectivity. One of them is poor electricity supply. It is observed throughout the nation. There is a need to install towers to enable connectivity all across the rural areas. The towers are not having the captive power generation. Are you envisaging any non-conventional captive power generation at the site of the tower itself to reduce poor power supply and to enhance net connectivity? Thank you, Sir.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, the hon. Member's question is quite relevant. In terms of TRAI recommendations and its findings, till September, 2014, we have had 25.44 crore internet subscribers, though private Internet Service Providers Association has done a survey and they have assured us that by December, it will be 30 crore. If penetration of Internet in India has 30 crore subscribers, we will become almost second to China. That is a very assuring aspect.

As far as installation of power plant by the side of any tower is concerned, that is physically not possible. The reason is that wherever tower is there, the power has to be supplied by the State facility. We have alternative mode of battery system or UPS to back the power supply there. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: I am coming to that. Solar is also there. I have told them to explore it. The experienced hon. Member will understand that for effective operation of tower, proper effective energy supply from the State system is a must. That is also an issue. We are coordinating with the State Governments.

Growth target for agriculture sector

*85. SHRI DARSHAN SINGH YADAV: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the total share of agriculture in terms of percentage of GDP in 2013-14;

(b) the total share of agriculture in employment in 2013-14; and

(c) the growth target fixed for agriculture sector in 2014-15?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI RADHA MOHAN SINGH): (a) to
(c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As per the estimates released by Central Statistics Office, the total share of the Agriculture and Allied Sectors (including agriculture, livestock, forestry and fishery subsectors) in terms of percentage of Gross Domestic Product (GDP) is 13.9 per cent during 2013-14, at 2004-05 prices.

(b) As per Population Census, 2011, 54.6 per cent of the total workers are engaged in agricultural activities.

(c) For the 12th Plan (2012-17), a growth target of 4 per cent has been set for the agriculture sector.

श्री दर्शन सिंह यादव : माननीय सभापति जी, क्या कृषि मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 2013-14 में कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में कुल कितना हिस्सा रहा?

श्री राधा मोहन सिंह : महोदय, इसका उत्तर सभा पटल पर रख दिया गया है, यह जानकारी आपको उपलब्ध करवा दी गई है।

श्री सभापति : दूसरा प्रश्न पूछिए।

श्री दर्शन सिंह यादव : सर, मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि रोजगार सृजन में कृषि का कुल कितना हिस्सा रहा है?

श्री राधा मोहन सिंह : महोदय, इसका उत्तर भी सभा पटल पर रखा जा चुका है।

श्री दर्शन सिंह यादव : मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : नहीं, आपने दो सवाल पूछ लिए। ...(व्यवधान)...

श्री दर्शन सिंह यादव : सर, इसी से जुड़ा हुआ मेरा तीसरा सवाल भी है।

श्री सभापति : नहीं, तीसरा सवाल नहीं होगा, सिर्फ दो सवाल ही हो सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री दर्शन सिंह यादव : सर, मेरा तीसरा प्रश्न भी है।

श्री सभापति : नहीं, दो ही प्रश्न होते हैं।

श्री दर्शन सिंह यादव : महोदय, मेरा प्रश्न है कि वर्ष 2014-15 के लिए कृषि क्षेत्र के विकास के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

श्री राधा मोहन सिंह : सर, इसका उत्तर भी सभा पटल पर रखा जा चुका है ।

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, the hon. Minister has stated that agriculture constitutes only 13.9 per cent of our GDP. I would like to know from the hon. Minister if this is a satisfactory figure. Secondly, if this figure is to grow by four per cent, what is the estimation of the share of agriculture in our GDP in the next ten years or so? In this case, Sir, if the agricultural production, as a share of the GDP, is so low, what is the allocation made for irrigation and for R&D?

श्री राधा मोहन सिंह : यह प्रश्न सिंचाई मंत्रालय से सम्बन्धित है, इसलिए इसका उत्तर भी वहीं से सम्बद्ध है ।

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, there is a direct correlation.

श्री राधा मोहन सिंह : यह प्रश्न मेरे मंत्रालय से सम्बन्धित नहीं है । सिंचाई के विषय का हमसे सीधा सम्बन्ध नहीं है ।

श्री सभापति: श्री मेघराज जैन । ...**(व्यवधान)**...

श्री पवन कुमार वर्मा : सर, मैंने R&D का पूछा था। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप सिर्फ एक सवाल पूछेंगे । ...**(व्यवधान)**...

श्री पवन कुमार वर्मा : सर, मैंने R&D पर सवाल पूछा है ।

श्री सभापति: आपको कुछ और कहना है? ...**(व्यवधान)**...

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, agricultural productivity and R&D are linked. I want to ask that.

श्री राधा मोहन सिंह : सर, वह भी मूल प्रश्न से सम्बन्धित नहीं है । वह ICAR से सम्बन्धित है । ...**(व्यवधान)**...

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, how can he say that it is not included in this?

श्री राधा मोहन सिंह : सर, आज मेरे दूसरे सवाल युनिवर्सिटीज के भी हैं । तो इसके बाद उसमें वह सवाल आ सकता है ।

यदि आप इसका सीधा सम्बन्ध पूछते हैं कि इसमें कृषि उत्पादन का घरेलू उत्पादन में कितना योगदान है, यह मूल प्रश्न है और इसके साथ ही आप देखेंगे कि रोजगार सृजन और फिर कृषि क्षेत्र के विकास के लिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, I seek your protection. Part 3 of the question relates to growth in agriculture. Is the Minister saying that there is no correlation between growth in agriculture and R&D? He must provide an answer.

श्री राधा मोहन सिंह: सर, मैं इसका उत्तर दे रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Okay. All right.

श्री राधा मोहन सिंह: सर, मैं इसका उत्तर दे रहा हूँ।

मैं इनको बताना चाहूँगा तक 11वीं योजना के अन्तर्गत जो हमारी विकास दर थी, इसका जो योगदान था, उसको बरकरार रखने के लिए 12वीं योजना में हमने जो लक्ष्य निर्धारित किया है, इसके लिए पहले जो 51 योजनाएं चल रही थीं, उनको हमने 12वीं योजना में 5 मिशंस के रूप में और 5 योजनाओं के रूप में बनाया है। हमारे वे 5 मिशंस हैं-राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, राष्ट्रीय तेल, बीज एवं पाम ऑयल मिशन, राष्ट्रीय कृषि सतत मिशन तथा राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं आईटी मिशन। इसके साथ ही, हमारी वे 5 योजनाएं हैं-राष्ट्रीय फसल बीमा योजना, एकीकृत कृषि गणना एवं सांख्यिकी योजना, एकीकृत कृषि विपणन योजना, एकीकृत कृषि सहकारी योजना तथा सचिवालय आर्थिक सेवा। पहले मैंने पांच मिशंस बताए और ये हमारी पांच योजनाएं हैं। इसके अलावा, एक राज्य योजना स्कीम है, जिसका नाम 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' और इसी आधार पर हमने अपनी विकास नीति बनाई है।

श्री सभापति: श्री मेघराज जैन।

श्री मेघराज जैन : माननीय सभापति जी, रोजगार सृजन में कृषि का कुल कितना हिस्सा रहा है? मैं माननीय कृषि मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि कृषि पर आधारित जो बाजार हैं, उनके लोगों को भी कृषि के माध्यम से रोजगार मिलता है, क्या वह भी इसमें जोड़ा गया है?

श्री राधा मोहन सिंह: सर, दो प्रकार के कृषि कार्मिक हैं। एक तो जो स्मॉल फार्मर्स हैं, जो स्वयं खेती करते हैं और दूसरे, जो इसे रोजगार के लिए करते हैं। ये दो प्रकार के कार्मिक ही इसमें जोड़े गये हैं।

श्री सभापति: ठीक है। श्री तिरुची शिवा।

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, the area under cultivated land in our country is declining year by year and a source says that in the past two years, around one lakh hectares have been turned into concrete jungle. When India is heading towards rank one in population in the coming years, the food requirement will be more and when the cultivated land is declining, there will be an alarming situation that we have to go and stretch our hands for our food. In this case, what are the steps the Ministry is intending to take to restore the cultivated land and improve it, and also to encourage the farmers who are in this sector?

श्री राधा मोहन सिंह: महोदय, एक तरफ खेती योग्य भूमि के रकबा में कमी आई है, तो दूसरी तरफ जो भूमि खेती योग्य नहीं थी, उसको भी खेती योग्य बनाने के प्रयास किए गए हैं। लेकिन, आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि उत्पादकता कैसे बढ़ायी जाए और इस पर सरकार ने पूरा ध्यान केंद्रित किया है।

SHRI JESUDASU SEELAM: Sir, I also have a question.

MR. CHAIRMAN: Next question.